



	<p><b>Loose flowers</b> Loose flowers are plucked from plants without stalk just below the calyx. These are in great demand, especially in Asian countries, and used for making veni, rangoli, bracelets, hair adornments for women and garlands, for garden displays, religious offerings and decorative purposes. Loose flowers comprise rose, chrysanthemum, marigold, jasmine, tuberose etc.</p> <p><b>Cut greens</b> Cut greens or cut foliages (leaves and stems), which are attractive in form, colour and freshness, are lasting and in great demand. These are used as fillers along with cut flowers in flower arrangements and elsewhere for increasing aesthetic value. These floral produce have various other uses in making attractive fresh floral designs and floral arrangements, such as bouquets, wreaths, decoration of house interiors, etc. Some of the cut foliages in demand are asparagus, ferns, thuja, cupressus, eucalyptus, etc.</p> <p><b>Perfumes</b> The demand for natural floral extracts like perfumes from flowers is increasing by the day. Some flowers, such as rose, jasmine, screwpine (kewra) and tuberose are used for the extraction of essential oils for the preparation of perfumes or attar.</p> <p>सौंदर्य, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण फूलों की खेती बागवानी उद्योग के सबसे संभावित घटकों में से एक है। इसमें साल भर रोजगार के अवसर पैदा करने और विदेशी मुद्रा अर्जित करने की क्षमता है। कई देशों में, विभिन्न पुष्प कृषि मूल्य वर्धित उत्पाद कृषि क्षेत्र से मुख्य निर्यात वस्तुएँ हैं। आइए, अब हम वाणिज्यिक फूलों की खेती के महत्व और उपयोगों को देखें।</p> <p><b>कटे हुए फूल</b> इन फूलों को डंठल के साथ काटा जाता है, विशेष रूप से फूलदानों में व्यवस्था के लिए, और स्थायी होते हैं। ये फूलों की खेती के कुल विश्व व्यापार का एक बड़ा हिस्सा हैं। गुलाब, कार्नेशन, गुलदाउदी, आर्किड, जरबेरा आदि महत्वपूर्ण कट फ्लावर फसलें हैं। कटे हुए फूलों का उपयोग गुलदस्ते और फूलों की टोकरियों को कोर्सेज, फूलों की व्यवस्था और सजावट के उद्देश्यों के रूप में तैयार करने में किया जाता है।</p> <p><b>ढीले फूल</b> ढीले फूल कैलीक्स के ठीक नीचे बिना डंठल वाले पौधों से तोड़े जाते हैं। विशेष रूप से एशियाई देशों में इनकी बहुत मांग है, और इसका उपयोग वेणी, रंगोली, कंगन, महिलाओं के बालों की सजावट और माला, बगीचे के प्रदर्शन, धार्मिक प्रसाद और सजावटी उद्देश्यों के लिए किया जाता है। खुले फूलों में गुलाब, गुलदाउदी, गेंदा, चमेली, रजनीगंधा आदि शामिल हैं।</p> <p><b>कटे हुए हरे पत्ते</b> कटे हुए पत्ते (पत्ते और तने), जो आकार, रंग और ताज़गी में आकर्षक होते हैं, टिकाऊ होते हैं और बहुत माँग में होते हैं। इन्हें फूलों की व्यवस्था में और सौंदर्य मूल्य बढ़ाने के लिए अन्य जगहों पर कटे हुए फूलों के साथ भराव के रूप में उपयोग किया जाता है। इन फूलों की उपज का आकर्षक ताजे फूलों के डिजाइन और फूलों की व्यवस्था बनाने में कई अन्य उपयोग हैं, जैसे गुलदस्ते, पुष्पांजलि, घर की आंतरिक सजा आदि। माँग में कुछ कटे हुए पत्ते शतावरी, फर्न, थूजा, कप्रेसस, नीलगिरी आदि हैं।</p> <p><b>परफ्यूम</b> फूलों से परफ्यूम जैसे प्राकृतिक फूलों के अर्क की माँग दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। कुछ फूल, जैसे गुलाब, चमेली, केवड़ा और रजनीगंधा का उपयोग इत्र या अत्तर बनाने के लिए आवश्यक तेलों के निष्कर्षण के लिए किया जाता है।</p>	4
3	<p>Nurseries are classified on the basis of duration, plants produced and structures used.</p> <p><b>On the basis of duration Temporary nursery</b> This type of nursery is developed only to fulfil seasonal requirements or a targeted project. Such a nursery is, usually, small in size and is set up for a short period after which it is abandoned. Temporary nurseries are mostly used for raising seedlings of vegetables and flower crops. Such nurseries are found near the main planting area. <b>Permanent nursery</b> In this type of a nursery, the plants are nourished and kept for a longer period of time till they are sold out or planted permanently in a field. The area covered under such a nursery is larger than a temporary nursery and it has all features that are required in a permanent nursery.</p> <p><b>On the basis of plants produced</b></p> <p><b>Ornamental nursery</b> Seedlings, rootstock and scion material of ornamental plants are raised and conserved for further use in such a nursery. It includes mother blocks of ornamental plants, which are used in layering, as well as, producing scion material for budding and grafting.</p> <p>An ornamental nursery also houses many indoor and outdoor potted plants. The blocks of seedlings of cut and loose flowers, seasonal, bonsai, climbers and creepers are managed individually here.</p> <p><b>Vegetable nursery</b> Planting material like seedlings of vegetables, rooted cuttings (asparagus and sweet potato), rhizomes (ginger), tubers (potato) and bulbs (onion and garlic) are raised and conserved in such a nursery.</p> <p><b>Fruit plant nursery</b> In this nursery, seedlings and cuttings of rootstocks, budded plants, grafts, layers and cuttings of fruit trees, such as mango, lychee, ber, bael, guava, sapota, etc., are raised and conserved. This nursery has mother blocks of different fruit crops, which are used as scion material.</p> <p><b>Forest nursery</b> Different species of trees and climbers planted in forests and used in 'social forestry', for example plantation along roads, gram panchayat land, gardens, etc., are mostly propagated by seeds. Seedlings of big trees like margosa, gulmohar, amaltas, amla, oak, eucalyptus, etc., are commonly found in a forest nursery.</p> <p>नर्सरी का वर्गीकरण अवधि, उत्पादित पौधों और प्रयुक्त संरचनाओं के आधार पर किया जाता है।</p> <p><b>अवधि के आधार पर अस्थायी नर्सरी</b> इस प्रकार की नर्सरी का विकास केवल मौसमी आवश्यकताओं की पूर्ति अथवा लक्षित परियोजना के लिए किया जाता है। इस तरह की नर्सरी आमतौर पर आकार में छोटी होती है और छोटी अवधि के लिए स्थापित की जाती है जिसके बाद इसे छोड़ दिया जाता है। अस्थायी नर्सरियों का उपयोग ज्यादातर</p>	5

	<p>सब्जियों और फूलों की फसलों की पौध उगाने के लिए किया जाता है। ऐसी पौधशालाएँ मुख्य रोपण क्षेत्र के निकट पायी जाती हैं। स्थायी नर्सरी इस प्रकार की नर्सरी में, पौधों को पोषण दिया जाता है और लंबे समय तक रखा जाता है जब तक कि वे विक नहीं जाते या किसी खेत में स्थायी रूप से रोप नहीं जाते। ऐसी नर्सरी के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र एक अस्थायी नर्सरी से बड़ा होता है और इसमें वे सभी विशेषताएं होती हैं जो एक स्थायी नर्सरी में आवश्यक होती हैं।</p> <p><b>उत्पादित पौधों के आधार पर</b></p> <p>सजावटी नर्सरी पौध, रूटस्टॉक और सजावटी पौधों की स्कोन सामग्री ऐसी नर्सरी में आगे उपयोग के लिए उगाई और संरक्षित की जाती है। इसमें सजावटी पौधों के मदर ब्लॉक शामिल हैं, जिनका उपयोग लेयरिंग के साथ-साथ नवोदित और ग्राफ्टिंग के लिए स्कोन सामग्री का उत्पादन करने के लिए किया जाता है। एक सजावटी नर्सरी में कई इनडोर और आउटडोर गमले वाले पौधे भी होते हैं। कटे और खुले फूलों, मौसमी, बोन्साई, पर्वतारोहियों और लताओं के अंकुरों के ब्लॉकों का प्रबंधन यहाँ व्यक्तिगत रूप से किया जाता है।</p> <p><b>सब्जी नर्सरी</b> रोपण सामग्री जैसे सब्जियों की पौध, जड़ वाली कटिंग (शतावरी और शकरकंद), राइजोम (अदरक), कंद (आलू) और बल्ब (प्याज और लहसुन) को ऐसी नर्सरी में उगाया और संरक्षित किया जाता है।</p> <p><b>फलदार पौधों की नर्सरी</b> इस नर्सरी में आम, लीची, बेर, बेल, अमरूद, चीकू आदि फलदार वृक्षों के मूलवृत्त, कलीदार पौधे, ग्राफ्ट, लेयर्स और कटिंग्स की पौध और कटिंग उगाई और संरक्षित की जाती है। इस नर्सरी में विभिन्न फलों की फसलों के मदर ब्लॉक हैं, जिनका उपयोग कलम सामग्री के रूप में किया जाता है।</p> <p><b>वन नर्सरी</b> वनों में लगाये गये और 'सामाजिक वानिकी' में प्रयुक्त वृक्षों और आरोहियों की विभिन्न प्रजातियों, उदाहरण के लिए सड़कों, ग्राम पंचायत भूमि, बगीचों आदि के किनारे वृक्षारोपण, ज्यादातर बीजों द्वारा प्रचारित किए जाते हैं। मरगोसा, गुलमोहर, अमलतास, आंवला, ओक, यूकेलिप्टस आदि जैसे बड़े पेड़ों के पौधे आमतौर पर वन नर्सरी में पाए जाते हैं।</p>	
4	<p>Landscaping refers to the treatment given to a piece of land in order to make it attractive and beautiful. Landscaping is becoming common as it beautifies an area, adds calmness and freshness to the surroundings, and increases the property value. It is important for offices, residences, educational institutes, supermarkets, etc., as it is the building's exterior that leaves the first impression on people. Parks and gardens offer a place to people to relax and enjoy the nature's beauty. A lawn is an integral part of a garden and is primarily laid for aesthetic purposes.</p> <p>भूनिर्माण का तात्पर्य भूमि के एक टुकड़े को आकर्षक और सुंदर बनाने के लिए दिए गए उपचार से है। भूनिर्माण आम होता जा रहा है क्योंकि यह एक क्षेत्र को सुशोभित करता है, आसपास के वातावरण में शांति और ताजगी जोड़ता है, और संपत्ति के मूल्य में वृद्धि करता है। यह कार्यालयों, आवासों, शैक्षिक संस्थानों, सुपरमार्केट आदि के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह इमारत का बाहरी हिस्सा है जो लोगों पर पहली छाप छोड़ता है। पार्क और उद्यान लोगों को आराम करने और प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेने के लिए जगह प्रदान करते हैं। एक लॉन एक बगीचे का एक अभिन्न अंग है और मुख्य रूप से सौंदर्य प्रयोजनों के लिए रखा गया है।</p>	3
5	<p>• The medium must have adequate aeration, drainage and water-holding capacity. • It must not be too heavy to lift. • The medium must be slightly acidic to neutral, i.e., pH of 6 – 6.5 being satisfactory in most cases. • It must be free of weeds, pests and pathogens. • It must be easily available. • It must not be too expensive</p> <p>• माध्यम में पर्याप्त वातन, जल निकासी और जल धारण क्षमता होनी चाहिए। • इसे उठाना बहुत भारी नहीं होना चाहिए। • माध्यम थोड़ा अम्लीय से तटस्थ होना चाहिए, अर्थात्, 6 – 6.5 का पीएच ज्यादातर मामलों में संतोषजनक होता है। • यह खरपतवारों, कीटों और रोगजनकों से मुक्त होना चाहिए। • यह आसानी से उपलब्ध होना चाहिए। • यह बहुत महंगा नहीं होना चाहिए</p>	3
6	<p>• Many fruit and ornamental plants that do not produce seeds are multiplied by this method. • Plants propagated by asexual propagation are true-to-type genetically. • By top working (using budding and grafting), old and economically low productive fruit plants can be converted into superior ones. • Maturity is uniform and the plant gives quality yield. • Plants propagated by asexual method are small in size, so spraying of chemicals and harvesting are easy. • This method enables noble plant production, e.g., different colours of flowers in a single rose plant and different types of mangoes in one mango plant can be produced through asexual method only.</p> <p>• कई फलदार और सजावटी पौधे जो बीज पैदा नहीं करते हैं, उन्हें इस विधि से गुणा किया जाता है। • अलैंगिक प्रसार द्वारा प्रचारित पौधे आनुवंशिक रूप से वास्तविक प्रकार के होते हैं। • टॉप वर्किंग (बुडिंग और ग्राफ्टिंग का उपयोग करके), पुराने और आर्थिक रूप से कम उत्पादक फलों के पौधों को बेहतर पौधों में बदला जा सकता है। परिपक्वता एक समान होती है और पौधा गुणवत्तापूर्ण उपज देता है। • अलैंगिक विधि से प्रवर्धित पौधे आकार में छोटे होते हैं, इसलिए रसायनों का छिड़काव और कटाई आसान होती है। • इस पद्धति से उत्कृष्ट पौधों का उत्पादन होता है, जैसे एक ही गुलाब के पौधे में अलग-अलग रंग के फूल और एक आम के पौधे में अलग-अलग प्रकार के आम केवल अलैंगिक विधि से ही पैदा किए जा सकते हैं।</p>	3

7	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Keep all tools and equipment out of children's reach. • Handle them with care and follow the instructions given in the manual provided with the equipment. • In case of an accident, immediately contact a doctor. • Ensure that all equipment are functional. • To avoid the spread of viral diseases, it is essential to clean the equipment before and after they are used in a field. • During the spraying of insecticides, pesticides and fungicides, safety measures like putting on the mask, gloves, etc., must be followed.</li> <li>• सभी औजारों और उपकरणों को बच्चों की पहुँच से दूर रखें। • उन्हें सावधानी से संभालें और उपकरण के साथ दिए गए मैनुअल में दिए गए निर्देशों का पालन करें। • दुर्घटना होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। • सुनिश्चित करें कि सभी उपकरण काम कर रहे हैं। • विषाणु जनित रोगों के प्रसार से बचने के लिए, उपकरणों को खेत में उपयोग करने से पहले और बाद में साफ करना आवश्यक है। • कीटनाशकों, कीटनाशकों और कवकनाशियों के छिड़काव के दौरान सुरक्षा उपायों जैसे मास्क, दस्ताने आदि पहनना अनिवार्य है।</li> </ul>	3
8	<p>The art of clipping and shearing climbers, shrubs, small trees and herbaceous perennials into artistic shapes is known as 'topiary'. Plants with small dark green foliage amenable to frequent clippings and shearing are selected for topiary making. It takes years to train a plant to reach a desired shape and size. Simple shapes like globe, sphere, dome, table and cube to difficult objects like birds, animals or humans can be made only with patience.</p> <p>पर्वतारोहियों, झाड़ियों, छोटे पेड़ों और जड़ी-बूटियों के बारहमासी को कलात्मक आकार में काटने और काटने की कला को 'टॉपरी' के रूप में जाना जाता है। टोपरी बनाने के लिए छोटे गहरे हरे पत्ते वाले पौधों को चुना जाता है जो बार-बार कतरन और कर्तन के लिए उपयुक्त होते हैं। एक पौधे को वांछित आकार और आकार तक पहुंचने के लिए प्रशिक्षित करने में वर्षों लग जाते हैं। ग्लोब, गोले, गुंबद, मेज और घन जैसी सरल आकृतियों से लेकर पक्षियों, जानवरों या मनुष्यों जैसी कठिन वस्तुओं को धैर्य से ही बनाया जा सकता है।</p>	3
9	<ul style="list-style-type: none"> <li>• To reduce the apical dominance of the plant so that the lateral branches are encouraged for quality blooms • To build a balance between shoot and root growth • To give a definite direction and shape to the plant • To utilise the available space effectively • To impart dwarfing in the plant and promote its healthy growth • To improve the productivity and quality of the produce • To provide necessary light and air to the inner portion of the plant • To remove all dead, diseased and interlacing twigs and branches.</li> <li>• पौधे के शिखर प्रभुत्व को कम करने के लिए ताकि पार्श्व शाखाओं को गुणवत्ता वाले खिलने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके • प्ररोह और जड़ विकास के बीच संतुलन बनाने के लिए • पौधे को एक निश्चित दिशा और आकार देने के लिए • उपलब्ध स्थान का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए • प्रदान करने के लिए पौधे में बौनापन और इसके स्वस्थ विकास को बढ़ावा देना • उत्पाद की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार करना • पौधे के अंदरूनी हिस्से को आवश्यक प्रकाश और हवा प्रदान करना • सभी मृत, रोगग्रस्त और अंतर्ग्रथित टहनियों और शाखाओं को हटाना।</li> </ul>	3
10	<p>De-potting is the removal of a plant from a pot for planting in soil, bed or another pot. As roots are sensitive and prone to injuries, care needs to be taken while de-potting the plant. It is better to de-pot the plant along with the soil attached to its root system. This soil, if needed, can be removed carefully after de-potting.</p> <p>मिट्टी, क्यारी या अन्य गमले में लगाने के लिए गमले से पौधे को हटाना डी-पोटिंग है। चूंकि जड़ें संवेदनशील होती हैं और चोट लगने की संभावना होती है, इसलिए पौधे को डी-पोटिंग करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। पौधे को उसकी जड़ प्रणाली से जुड़ी मिट्टी के साथ डी-पोट करना बेहतर होता है। जरूरत पड़ने पर इस मिट्टी को डी-पोटिंग के बाद सावधानी से हटाया जा सकता है।</p>	2
11	<p>Such a cutting is taken from herbaceous or succulent plants. Shoots of 2 to 3-month old plants are selected for softwood cuttings. Examples are alternanthera, coleus, duranta, clerodendrum, etc.</p> <p>इस तरह की कटाई शाकाहारी या रसीले पौधों से की जाती है। सॉफ्टवुड कटिंग के लिए 2 से 3 महीने पुराने पौधों की टहनियों का चयन किया जाता है। उदाहरण हैं अल्टरनेथेरा, कोलियस, ड्यूरेंटा, क्लेरोडेंड्रम आदि।</p>	2
12	<p>Secateur is meant for cutting branches, de-shooting, disbudding, cutting of scion sticks, defoliation of leaves from the sticks, topping- off small trees, etc. It is also useful in pruning pencil-thick branches and making cuttings for propagation.</p> <p>Secateur शाखाओं को काटने, डी शूटिंग, डिसबुडिंग, स्कोन स्टिक्स को काटने, स्टिक्स से पत्तियों को हटाने, छोटे पेड़ों को ऊपर उठाने आदि के लिए होता है। यह पेंसिल मोटी शाखाओं की छंटाई और प्रसार के लिए कटिंग बनाने में भी उपयोगी है।</p>	2
13	<p>It is easy and quick. You can say what you want and get a quick response. It is an easier form of communication when you have to exchange ideas. You keep changing your communication as per the other person's reply.</p> <p>यह आसान और तेज है। आप जो चाहें कह सकते हैं और त्वरित प्रतिक्रिया प्राप्त कर सकते हैं। जब आपको विचारों का आदान-प्रदान करना हो तो यह संचार का एक आसान रूप है। आप दूसरे व्यक्ति के उत्तर के अनुसार अपना संचार बदलते रहें।</p>	2
14	<p>Communication is the 'sharing' of information between two or more individuals or within the group to reach a common understanding. The word 'communication' comes from the Latin word <i>communicāre</i>, meaning 'to share'.</p> <p>संचार एक आम समझ तक पहुंचने के लिए दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच या समूह के भीतर सूचनाओं का 'साझाकरण' है। शब्द 'संचार' लैटिन शब्द <i>कम्यूनिकेयर</i> से आया है, जिसका अर्थ है 'साझा करना'।</p>	2

15	Budding is the process of inserting a single mature scion bud into the stem (rootstock) in a way that results into a union and continues to grow as a new plant. It is also a type of grafting. मुकुलन एक परिपक्व स्कोन कली को तने (रूटस्टॉक) में एक तरह से डालने की प्रक्रिया है, जिसके परिणामस्वरूप एक संघ बनता है और एक नए पौधे के रूप में विकसित होता रहता है। यह भी एक प्रकार का ग्राफ्टिंग है।	2
16	D	2
17	A	1
18	B	1
19	B	1
20	B	1
21	B	1
22	Annual वार्षिक	1
23	Simple सरल	1
24	<b>Naphthalene acetic acidis</b> नेफ़थलीन एसिटिक एसिडिस	1
25	20	1
26	Hedge Shear हेज शियर	1
27	500 gm	1
28	Indian Institute of Horticultural Research भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान	1
29	7	1
30	T - Together E - Everyone A -Achieve M - More टी - एक साथ ई - हर कोई ए -एचीव एम - अधिक	1